नईदुनिया (03) 28/04/2021

खबर छपते ही उठ गया कचरा....

सफाई व्यवस्था को लेकर नईदुनिया में खबर प्रकाशित होते ही जिम्मेदार हरकत में आ गए। रतलाम के शहर सराय आबकारी कंपाउंड में कचरा पेटी नियमित रूप से खाली नहीं होने पर नईदुनिया ने 27 अप्रैल के अंक में पृष्ठ क्रमांक-03 पर खबर प्रकाशित की। खबर प्रकाशित होने के बाद तत्काल नगर निगम का अमला मौके पर पहुंचा और क्षेत्र में समुचित साफ-सफाई कर कचरा पेटी खाली की। क्षेत्र से गंदगी-कचरा हटने पर रहवासियों ने राहत की सांस ली और नईदुनिया को धन्यवाद ज्ञापित किया। • नईदुनिया

3 मई से शुरू होगा 30 बेड का कोविड अस्पताल

44 मिनट का प्रेजेंटेशन दिया, कुछ सेकंड में कलेक्टर ने दे दी मंजूरी

होंगे कामयाब

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. अगर समाजसेवा की तमन्ना हो तो कुछ भी मुश्किल नहीं है, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति राह बन जाती है। इस बात को मंगलवार को सिद्ध किया है शहर के समाजसेवियों ने। कलेक्टर गोपालचंद्र डाड के सामने इन लोगों ने करीब 44 मिनट तक 30 बिस्तर वाले कोविड अस्पताल की रुपरेखा बताई, कलेक्टर डाड ने मात्र कुछ सेकंड में इसको खोलने की मंजूरी इस शर्त के साथ दे दी की सभी सुविधाएं समाजसेवी ही जुटाएंगे। ये पूरा काम सामाजिक सहयोग से किया जाएगा।

समाजसेवी खुर्शीद अनवर, राजकमल जैन, प्रीतम सिंह सोढ़ी, मोहम्मद युनुस ताज, परवेज निखार, दिलेश पोरवाल, नीलेश पोरवाल, डॉक्टर अंकित जैन, पटवारी वर्षा सारस्वत व यास्मीन शेरानी सुबह करीब 11 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। बैठक कक्ष में कलेक्टर डाड के साथ इनकी चर्चा शुरू हुई। सबसे पहले समाजसेवी खुर्शीद अनवर ने योजना की रुपरेखा के बारे में बताया कि खाचरौद रोड स्थित आयशा गर्ल्स होस्टल में अस्पताल का संचालन किया जाएगा।

कलेक्टर को यास्मीन शेरानी व राजकमल जैन ने बताया कि अस्पताल पूरी तरह से नि:शुल्क रहेगा। ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीमीटर, ग्लूकोमीटर, बीपी मापने की मशीन सहित सभी संसाधन रहेंगे। 24 घंटे तक तीन अलग-अलग शिफ्ट में 2 चिकित्सक, 5 आयुष डॉक्टर, 9 नर्सेज, 2 हेड नर्स, 4 वॉर्ड बॉय, 2 इंचार्ज आदि काम करेंगे। मरीजों को मोटिवेट करने उनकी पसंद अनुसार संगीत भी लगाया जाएगा।

30 बेड का कोविड अस्पताल शुरू कर दिया जाएगा। हम कलेक्टर के आभारी है जिन्होंने हमको समय दिया व हमारे प्रयास को मंजूरी दी। तीन मई से इसकी हम शुरुआत कर देंगे। **खुर्शीद अनवर**, समाजसेवी

लॉकडाउन का उल्लंघन, 5 दुकानदारों पर कार्रवाई

रतलाम | लॉकडाउन के दौरान दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ जमा होने पर प्रतिबंध है। लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर पान मसाला, हार्डवेयर, कपड़े की दुकान व रेस्टोरेंट संचालकों पर प्रकरण दर्ज किया है। माणकचौक थाना प्रभारी अयूब खान ने बताया कि नाहरपुरा में पान-मसाले की दुकान खुली मिलने पर दीपक पिता कीमतीलाल (60) निवासी सिंधी कॉलोनी, हार्डवेयर दुकान संचालक वीरेंद्र जैन (50) निवासी चांदनीचौक, साड़ी की दुकान संचालक संजय जैन (50) निवासी चांदनीचौक, मिठाई की दुकान संचालक संजय पिता नंदकिशोर गवली (32) निवासी बाजना बस स्टैंड तथा रेस्टोरेंट संचालक राजू पिता मोहनलाल गवली (45) निवासी सिद्धिविनायक कॉलोनी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

दैनिक भास्कर (06) 28/04/2021

18+ के ऑनलाइन बुकिंग करवाने वालों को ही लगेगा टीका, केंद्र पर 45+ और उससे कम वालों के लिए अलग-अलग साइट रहेगी

1 मई से होगा टीकाकरण, आज से करवा सकेंगे रजिस्ट्रेशन, अब तक 1.40 लाख लोग लगवा चुके हैं वैक्सीन, 45+ के लोग सीधे केंद्र पर पहुंचकर लगवा सकेंगे

भास्कर संवाददाता | रतलाम

1 मई से 18+ की उम्र के लोगों को वैक्सीन लगना शुरू हो जाएगी। इस बार सीधे केंद्र पर वैक्सीन नहीं लगाई जाएगी, इसके लिए आपको प्री-रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इसमें ही आपको टीका लगवाने की तारीख और समय बताया जाएगा जिसके आधार पर वैक्सीन लगवा सकेंगे। इधर, युवाओं के वैक्सीनेशन की भीड़ से 45+ साल से ज्यादा की उम्र के लोगों को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। इनके लिए हर केंद्र पर अलग व्यवस्था रहेगी। ऐसे लोग सीधे केंद्र पर पहुंचकर टीका लगवा सकेंगे।

18 से 45 साल के आयु समूह के लोगों को 1 मई से वैक्सीन लगना शुरू हो जाएगी। अब तक ऑनस्पॉट बुकिंग यानी सीधे केंद्र पर लोग पहुंचकर टीका लगवा रहे थे लेकिन अब प्री-बुकिंग करवाने वालों को ही वैक्सीन लगाई जाएगी। प्रारंभिक टीकाकरण के लिए जिले में 4 स्थान ही तय किए हैं। इनमें रतलाम शहर में दो और आलोट और जावरा में टीकाकरण होगा। एक ही स्थान पर 2 सेशन साइट बनाई जाएगी, जिसमें एक साइट पर 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोग और दूसरी साइट पर 45 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को टीका लगेगा।

यहां करवा सकेंगे ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 28 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वर्षा कुरील ने बताया कि एडवांस बुकिंग कोविन 2.0 पोर्टल पर लिंक https://selfregistration.cowin.gov.in/ पर क्लिक करके करवा सकते हैं। इस लिंक पर हितग्राही को अपना मोबाइल नंबर लिखना होगा। नंबर लिखने के बाद गेट ओटीपी पर क्लिक करने से एक ओटीपी आएगा, जिसे मोबाइल में दर्ज करना होगा। इसके बाद नाम, उम्र, लिंग की जानकारी अटैच किए गए आईडी के आधार पर दर्ज करना होगा। इसके बाद केंद्र का नाम, दिनांक आदि की जानकारी अपनी सुविधा अनुसार दर्ज कर सकते हैं। संबंधित दिनांक को आपके द्वारा चाहे गए केंद्र पर अटैच की गई आईडी संबंधी दस्तावेज लेकर टीका लगवा सकते हैं।

मंगलवार को 505 लोगों को लगा टीका, आज 24 केंद्र पर लगाए जाएंगे

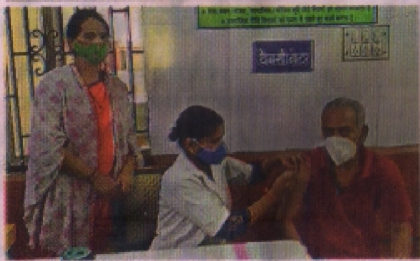

जिले में बुधवार को 24 केंद्रों पर टीकाकर किया जाएगा। शहर के बाल चिकित्सालय में 45 साल से ज्यादा आयु के लोगों को टी लगेगा। पुराने कलेक्टों में को-वैक्सीन का दूसरा टीका फ्रंटलाइन वर्कर्स को लगाया जाएगा। मंगलवार को 505 लोगों को वैक्सी लगाई गई।

संकट बरकरार • दूसरी लहर का कोरोना सरकारी इंतजामों को पीछे छोड़ तेज़ी से बढ़ रहा, भटक रहे मरीज व परिजन

अब तो जिला प्रशासन भी नहीं कर पा रहा इंतजाम

ऑक्सीजन : सांसें चलती रहे इतनी ही मिल रही है, मेडिकल कॉलेज भी सिलेंडर के भरोसे

रेमडेसिविर : मेडिकल कॉलेज में सोमवार से खत्म, वहीं अस्पतालों में 3 दिन से नहीं

ऑक्सीजन सप्लाई एक दिन भी रुकी तो होगा खतरा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

दूसरी लहर का कोरोना संक्रमण सरकार इंतजामों को पीछे छोड़ तेजी से बढ़ रहा है। संकट इसलिए बना हुआ है क्योंकि मेडिकल कॉलेज सहित सारी निजी अस्पताल हाउसफुल चल रहे हैं। ऑक्सीजन, रेमडेसिविर सहित अन्य जरूरी दवाइयों की किल्लत लगातार बनी हुई है। ये हालात मरीजों और उनके परिजन का दम फुलाने वाले साबित हो रहे हैं। स्थिति कितनी गंभीर है इसका बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मेडिकल और निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को महज उतनी ही ऑक्सीजन मिल रही है, जितनी की वर्तमान में जरूरत है। मांग और आपूर्ति में थोड़ा भी अंतर जानलेवा साबित हो सकता है।

फेफड़े के संक्रमण को दूर करने में काम आने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता और भी चिंताजनक है। शहर के निजी अस्पतालों और दुकान पर तीन दिन से इंजेक्शन खत्म हो चुके हैं जबकि सोमवार से मेडिकल कॉलेज का स्टॉक भी जीरो हो गया है।

ऑक्सीजन

रात 1 बजे 10 टन ऑक्सीजन लेकर सूरत से पहुंचा टैंकर

शहर के सबसे बड़े कोविड अस्पताल मेडिकल कॉलेज रोजाना ही ऑक्सीजन का संकट झेल रहा है। ऑक्सीजन सपोर्ट वाले 348 मरीजों के लिए रोज 14 टन ऑक्सीजन की जरूरत है लेकिन सूरत से आने वाले टैंकर से सिर्फ 5-6 टन ही मिल पा रही है। सोमवार रात टैंकर से आई 6 टन ऑक्सीजन मंगलवार दोपहर में खत्म हो गई, जिसके बाद स्टॉक में पड़े सिलेंडर से सप्लाई दी गई। मालवा और महावीर ऑक्सीजन प्लांट भी 200-250 सिलेंडर ही रिफिलिंग कर पा रहे हैं। उन्हें भी आगे से मिलने वाली ऑक्सीजन की सप्लाई कम होती जा रही है। रात 1 बजे 10 टन ऑक्सीजन लेकर सूरत से एक टैंकर मेडिकल कॉलेज पहुंचा।

रेमडेसिविर

सरकार ने रोक दी सप्लाई, कई मरीज अधूरे डोज पर

दो बार हेलिकॉप्टर से रेमडेसिविर इंजेक्शन भेजने वाली सरकार ने ही अब इंजेक्शन की सप्लाई रोक दी है। तीन दिन से शहर के सारे निजी अस्पताल और मेडिकल दुकानों पर इंजेक्शन खत्म हो चुके हैं। इस कारण मरीजों को डोज अधूरा रह गया है। मेडिकल कॉलेज का स्टॉक भी सोमवार को शून्य हो गया है। सोमवार रात हालांकि भोपाल से 336 इंजेक्शन रवाना हुए थे, लेकिन ये मंगलवार शाम तक भी कॉलेज नहीं पहुंच पाए थे। इनमें से ही 30 प्रतिशत यानी लगभग 100 इंजेक्शन शहर के निजी अस्पतालों के मरीजों को दिए जाने है। इसके बाद कॉलेज के पास सिर्फ 226 ही बचेंगे, जो दो दिन में खत्म हो जाएंगे।

वरिष्ठ अधिकारियों को स्थिति बता दी है

ऑक्सीजन बहुत कम मिल रही है। 14 एमटी की जरूरत है। पहले रोजाना 10 टन का टैंकर आ रहा था, दो-तीन दिन से 5-6 टन का ही आ रहा है। सिलेंडर से काम चला रहा है, इसके बाद का कुछ कह नहीं सकते। वरिष्ठ अधिकारियों को स्थिति बता दी है। रेमडेसिविर इंजेक्शन भी खत्म हो गए हैं। निजी अस्पतालों की भी डिमांड आ रही है। मंगलवार रात में 336 आएंगे, टीम भेज दी है।

डॉ. जितेंद्र गुप्ता, डीन मेडिकल कॉलेज

मेडिकल कॉलेज में एक भी बेड नहीं, डीन के मां, पिता और भाई पॉजिटिव, सिर्फ मां को कॉलेज में रख सके, बाकी को इंदौर भेजा

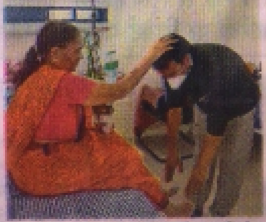

मेडिकल कॉलेज में भर्ती मां से आशीर्वाद लेते हुए डीन।

कॉलेज के ऑक्सीजन प्लांट में ही परिवार पहुंचा और डीन का जन्मदिन मनाया।

कॉलेज में भर्ती मां के पास रोज 10 मिनट ही जा पाते हैं, बर्थ-डे पर भी घर नहीं गए

रतलाम | मेडिकल कॉलेज में बेड की हालत क्या है... इस बात का अंदाजा आप इसी से लगा सकते है कि खुद कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता अपने पिता और भाई को कॉलेज में बेड नहीं दिला सके। इलाज के लिए उन्हें इंदौर भेजना पड़ा। पॉजिटिव मां की तबीयत ज्यादा खराब थी, ऐसे में उन्हें कॉलेज में ही बेड दिलवाकर इलाज किया जा रहा है।

मंगलवार को मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता का जन्मदिन था। डीन कॉलेज में भर्ती मां सूरजदेवी गुप्ता से आशीर्वाद लेने पहुंचे। उन्होंने बताया कि मां, पिता और भाई पॉजिटिव हैं। तबीयत ज्यादा खराब थी इसलिए मां को कॉलेज में भर्ती किया लेकिन, कॉलेज में एक भी बेड खाली नहीं होने से पिता और भाई को इंदौर इलाज के लिए भेजा। व्यस्तता के कारण मां से वार्ड में वे सिर्फ 10 मिनट के लिए ही मुलाकात कर पाते हैं। मंगलवार को ऑक्सीजन खत्म होने की चिंता लगातार बनी हुई थी, घर नहीं पहुंचे तो पत्नी डॉ. रेखा गुप्ता अपने पुत्र रिक्की और रोनी के साथ कॉलेज पहुंची। ऑक्सीजन प्लांट में ही केक काटकर जन्मदिन मनाया।

हो। ऐसे में बचाने की दिशा में जब करीब जाकर देखा तो एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ था व उसको कुत्ते नोंच रहे थे। स्टेशन पर गश्त करने वाले जीआरपी के जवानों को सूचना दी। एक घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, जब जीआरपी के जवानों को सूचना

है, लेकिन रात 2 बजे अज्ञात शव के मिलने की सूचना है। कुत्तों ने नोंचा या नहीं, इस बारे में जानकारी नहीं है, क्योंकि शव को देखा नहीं है। पीएम रिपोर्ट आएगी तब ही कुछ बताया जा सकेगा। - **अजय मिश्रा,** थाना प्रभारी, जीआरपी

227 मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे

रतलाम। कोरोना से संक्रमित 227 लोगों को मंगलवार को स्वस्थ होने की खुशी मिली। इन्हें स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। मेडिकल कालेज से 31 मरीजों को स्वस्थ होने डिस्चार्ज किया गया। इसी प्रकार होम आइसोलेशन से 172 व्यक्तियों को निगेटिव आने के उपरांत डिस्चार्ज किया गया। शर्मा हास्पिटल से दो, रेलवे हास्पिटल से दो व्यक्तियों को, सीएचएल से चार व्यक्तियों को, नवीन कन्या परिसर से एक तथा अन्य सेंटर से 15 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया।

मेडिकल कालेज में कुल 11 मौत

मेडिकल कॉलेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को मेडिकल कालेज में 61 नए मरीज भर्ती हुए। कालेज के अस्पताल में कुल 550 बेड में आइसीयू के सभी 56 बेड, एचडीयू के 172 व आक्सीजन के सभी 120 बेड पर मरीज भर्ती हैं। नान आक्सीजन के 202 बेड में से 113 पर मरीज भर्ती हैं। कुल 461 मरीज हैं। इनमें 289 पाजिटिव हैं तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। 11 पाजिटिव मरीजों की मौत में पांच रतलाम, एक झाबुआ, तीन उज्जैन, दो धार से हैं। हास्पिटल में 89 बेड खाली हैं। मरीजों एवं उनके स्वजनों को सुविधाएं देने के प्रयासों में निरंतर वृद्धि की जा रही है।

दोपहर में खत्म हुई लिक्विड आक्सीजन, सिलिंडरों से आपूर्ति

रतलाम। मेडिकल कालेज में आक्सीजन की आपूर्ति को लेकर रोज मशक्कत करना पड़ रही है। सोमवार रात आए टैंकर से 5.6 टन आक्सीजन मिली थी जो मंगलवार दोपहर में खत्म हो गई। इसके बाद सिलिंडरों से आक्सीजन दी जाने लगी। इधर रतलाम के लिए आक्सीजन लेकर निकला टैंकर रात नौ बजे तक नहीं पहुंचा तो हड़कंप मच गया। सभी वैकल्पिक इंतजाम भी किए गए। रात करीब 11 बजे टैंकर पहुंचने पर सभी ने राहत की सांस ली।

मालूम हो कि औद्योगिक क्षेत्र स्थित मालवा आक्सीजन से सिलिंडरों में आपूर्ति की जा रही है। कालेज में भर्ती मरीजों के लिए अभी प्रतिदिन करीब 10 टन आक्सीजन लग रही है। आपूर्ति में समय लगने से प्रशासन व मेडिकल कालेज प्रबंधन द्वारा हर घंटे खपत पर नजर रखी जा रही है।

धारा 188 की कार्रवाई

माणकचौक पुलिस ने पांच और दुकानदारों पर दर्ज किया प्रकरण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. लॉक डाउन का उल्लंघन करके दुकानें खोलना जैसे दुकानदारों की आदत बन गया है। यही वजह है कि हर दिन ऐसे दुकानदारों के खिलाफ केस बनाए जाने के बाद भी लोग मानने को तैयार नहीं है। माणकचौक पुलिस ने सोमवार को पांच और दुकानदारों के खिलाफ धारा 188 के तहत केस दर्ज किए हैं। दुकानदारों में होटल व्यवसायी, मिष्ठान की दुकान के संचालकों के साथ ही अन्य शामिल हैं।

माणकचौक पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बाजना बस स्टैंड स्थित गंगा होटल संचालक और गंगा स्वीट्स के संचालकों ने अपनी दुकानें खोलकर ग्राहकों को सामग्री बेचकर लॉक डाउन का उल्लंघन किया। गंगा होटल के संचालक राजू पिता मदनलाल गवली और गंगा स्वीट्स के संचालक संजय पिता नंदकिशोर गवली के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा चांदनीचौक स्थित पारसमल पैंसी साड़ी दुकान के संचालक संजय पिता पारसमल जैन के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दो अन्य दुकानदारों में चांदनीचौक में ही वीरेंद्र हार्डवेयर के संचालक वीरेंद्र पिता इंदरमल जैन और नाहरपुरा स्थित गुरुनानक पान मसाला दुकान के संचालक दीपक पिता कीमतलाल सिंधी के खिलाफ भी धारा 188 में केस दर्ज किया गया है।

सोमवार को पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा 299 रहा

रतलाम ● कोरोना संक्रमित मरीजों का अभी तक का सबसे बड़ा आंकड़ा 26 अप्रैल को 299 का जारी हुआ है। मेडिकल बुलेटिन के अनुसार सोमवार को पांच लोगों की कोरोना से मृत्यु हुई है। इस प्रकार अभी तक 176 संक्रमित मरीजों की मृत्यु हो चुकी है।

मेडिकल कॉलेज तथा अन्य कोविड अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों तथा जांच करवाने वाले मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ने से व्यवस्था चरमरा गई है। अभी भी ऑक्सीजन तथा रेमडेसिविर इंजेक्शन के अभाव की शिकायतें निरंतर आ रही है। लोगों का कहना है कि अभी भी कोविड अस्पतालों में मरीजों को स्थान उपलब्ध नहीं हो रहा है। मेडिकल कॉलेज तथा जिला अस्पताल में अधिक भीड़ जमा न हो, इस कारण प्रशासन ने 26 अप्रैल से धारा 144 प्रभावशील कर दी है।

पीडब्ल्यूडी शाखा में लगी आग, फायर लॉरी से बुझाई

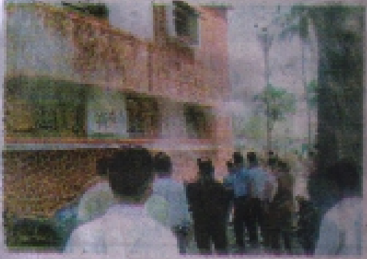

रतलाम। नगर निगम की पीडब्ल्यूडी शाखा में अचानक आग लग गई। पीडब्ल्यूडी शाखा से धुआं उठता देख कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड विभाग को सूचना दी। इसके बाद दो फायर लॉरी की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। घटना दोपहर करीब 2 बजे की है। जब नगर निगम के कर्मचारी भोजन अवकाश के लिए गए थे। गनीमत रही, कर्मचारियों ने पीडब्ल्यूडी इकाई में से अचानक धुआं उठता देख लिया। इसकी वजह से समय पर आग पर काबू पा लिया गया अन्यथा महत्वपूर्ण दस्तावेज और फाइलें खाक हो जातीं। लोक निर्माण शाखा में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। सूचना पर निगमायुक्त मौके पर पहुंचे। आग से हुए नुकसान का आकलन करने के दिशा निर्देश लोक निर्माण विभाग के प्रभारी को जारी किए। दरअसल, मामला लोक निर्माण विभाग से जुड़ा होने से कई प्रकार के कयास भी लगाए जा रहे हैं।

नगर निगम लोक निर्माण शाखा के रिकार्ड रूम में लगी आग

आधे घंटे में काबू पाया, कई दस्तावेज गीले हुए

नगर निगम लोनिवि शाखा के रिकार्ड रूम में लगी आग बुझाते हुए निगमकर्मी। ● नईदुनिया

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। नगर निगम भवन में मंगलवार दोपहर लोक निर्माण शाखा के रिकार्ड रूम में शार्ट सर्किट के बाद आग लग गई। निगम की फायर लारी से अमले ने आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। घटना में रिकार्ड रूम में रखे कई दस्तावेज गीले हो गए।

दोपहर करीब दो बजे रिकार्ड रूम में पुरानी बिजली लाइन में शार्ट सर्किट के बाद तारों से निकली चिंगारी से आग भभक गई। कमरे से धुआं निकलता देख वहां मौजूद निगमकर्मियों ने अग्निशमन यंत्र से आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने निगम परिसर में खड़ी फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और पानी डालकर आग बुझाई। निगमायुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि आग शार्ट सर्किट से लगी है। रिकार्ड रूम में रखे दस्तावेजों में जिन्हें नुकसान पहुंचा है, उन्हें वापस तैयार करवाएंगे। निगम भवन में बिजली की लाइनें पुरानी हो गई हैं, इन्हें बदला जाएगा।

निगम के रिकॉर्ड रूम में लगी आग, कई पुराने फाइलें जलीं

रतलाम | नगर निगम के पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री के कक्ष से लगे रिकॉर्ड रूम में मंगलवार दोपहर 1.45 बजे अचानक आग लग गई। खिड़की से धुआं निकलते देख एक व्यक्ति ने सुरक्षाकर्मी सुधीर कुमार को जानकारी दी। उन्होंने तुरंत रूम का ताला खुलवाया तो देखा फाइलों में आग लगी थी। दो फायर लॉरी की मदद से आग पर काबू पाया गया। घटना में कई पुरानी फाइलें जल गईं। आग लगने का कारण शॉर्ट-सर्किट बताया जा रहा है।

निगम के जनकार्य विभाग में आग लगी

रतलाम ● नगर पालिक निगम के जनकार्य विभाग में अचानक आग लगने से काफी रिकार्ड जल गया। फायर ब्रिगेड ने चंद घंटों में ही आग पर काबू पा लिया, अन्यथा बिल्डिंग का अन्य भाग प्रभावित हो सकता था।

पत्रिका (04) 28/04/2021

थाने की सीमा विवाद में सड़क पर पड़ा रहा शव

ये कैसा मंजर...कुत्ते नोंच रहे थे अज्ञात शव, सूचना के चार घंटे बाद पहुंची स्थानीय पुलिस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. दो थाने की सीमा के विवाद में एक अज्ञात व्यक्ति का शव करीब चार घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा व कुत्ते उसको नोंचते रहे। मामला सोमवार रात करीब 10 बजे रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो के करीब अंडरब्रिज के उपर का है। स्थानीय निवासियों ने कुत्तों के झुंड को एक स्थान पर देखा तो शंका हुई। जब करीब जाकर देखा तो शव पड़ा था। जीआरपी को सूचना दी तो टका सा जवाब दे दिया कि यह क्षेत्र औद्योगिक पुलिस थाने का है। इस जद्दोजहद में रात 2 बज गई। तब तक बार बार शव के करीब कुत्ते जा रहे थे व मोहल्ले के लोग शव की रक्षा करने में लगे रहे।

अंडरब्रिज क्षेत्र के करीब रहने वाले शेरु पठान, बबलू खान आदि ने बताया कि रात करीब 10 बजे कुत्तों का शोर सुनाई दिया। इसके बाद जब घर से बाहर आकर देखा तो पाया कि रेलवे की दीवार के करीब एक स्थान पर 10 से 15 कुत्तों का झुंड है। ऐसे में लगा कि हो सकता है पशु का कोई बच्चा हो जिसको कुत्ते परेशान कर रहे हो। ऐसे में बचाने की दिशा में जब करीब जाकर देखा तो एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ था व उसको कुत्ते नोंच रहे थे। स्टेशन पर गश्त करने वाले जीआरपी के जवानों को सूचना दी। एक घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, जब जीआरपी के जवानों को सूचना दी तो उन्होंने कहा कि वे वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में बता रहे है। रात 10 बजे बाद दी गई सूचना के एक घंटे तक जब कुछ होता नजर नहीं आया तो फिर से जीआरपी जवानों को बताया गया तो उन्होंने टका सा जवाब दे दिया कि यह औद्योगिक क्षेत्र पुलिस का मामला है। इसके बाद क्षेत्र के युवाओं ने औद्योगिक पुलिस को बताया तो उन्होंने इसको जीआरपी के क्षेत्र का मामला बता दिया। लंबी जद्दोजहद के बाद जीआरपी पुलिस ने रात 2 बजे अज्ञात शव को उठाया।

रात 2 बजे तक इंतजार करवाया

रात में कुत्तों के शोर से नींद खुली, जब देखा तो एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ था जिसको कुत्ते नोंच रहे थे। पुलिस को सूचना दी तो रात 2 बजे तक इंतजार करवाया, इसके बाद शव को उठाया गया। - **शेरू पठान**, समाजसेवी, जावरा रोड अंडरब्रिज क्षेत्र

पीएम रिपोर्ट का इंतजार

सीमा विवाद की जानकारी नहीं है, लेकिन रात 2 बजे अज्ञात शव के मिलने की सूचना है। कुत्तो ने नोंचा या नहीं, इस बारे में जानकारी नहीं है, क्योंकि शव को देखा नहीं है। पीएम रिपोर्ट आएगी तब ही कुछ बताया जा सकेगा। - **अजय मिश्रा**, थाना प्रभारी, जीआरपी

18 से 45 वर्ष के लोगों को टीकाकरण के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराना होगा

रतलाम ● स्वदेश समाचार

सीएमएचओ डॉक्टर प्रभाकर ननावरे ने बताया कि 1 मई से प्रारंभ होने वाले कोविड-19 टीकाकरण के लिए 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को टीका लगवाने के लिए ऑनलाइन प्री बुकिंग कराना अनिवार्य रहेगा ।

टीका ऑन स्पॉट बुकिंग के आधार पर नहीं लगाया जा सकेगा बल्कि प्री बुकिंग कराने वाले लोगों के लिए ही सुविधा उपलब्ध रहेगी। जिले में प्रारंभिक टीकाकरण के लिए कुल 4 स्थान निर्धारित रहेंगे। जिसमें रतलाम शहर में दो स्थानों पर तथा आलोट और जावरा में टीकाकरण किया जाएगा। 1 मई के बाद से होने वाले टीकाकरण के अंतर्गत एक ही स्थान पर 2 सेशन साइट बनाई जाएगी जिसमें एक साइट पर 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को टीके लगेंगे जबकि उसी स्थान पर दूसरी सेशन साइट पर 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि टीकाकरण के दौरान 45 वर्ष से अधिक आयु समूह के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण किया जाएगा ।

इस प्रकार 45 वर्ष से अधिक आयु के लोग आन स्पाट बुकिंग कराकर भी टीका लगा सकेंगे । 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों से लोगों को टीका लगवाने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 28 अप्रैल से प्रारंभ हो जाएगी। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने की प्रक्रिया के बारे मे जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वर्षा कुरील ने बताया कि कोविड 19 टीकाकरण के लिए हितग्राही अपनी एडवांस बुकिंग कोविन 2.0 पोर्टल पर लिंक पर क्लिक करके करवा सकते हैं । इस लिंक पर हितग्राही को अपना मोबाइल नंबर लिखना होगा । नंबर लिखने के बाद गेट ओटीपी पर क्लिक करने से एक ओटीपी आएगा जिसे मोबाइल पर दर्ज करना होगा। इसके बाद नाम उम्र लिंग आदि की जानकारी अटैच किए गए आईडी के आधार पर दर्ज करना होगा । इसके बाद केन्द्र का नाम, दिनांक आदि की जानकारी अपनी सुविधानुसार दर्ज कर सकते हैं तथा संबंधित दिनांक को आपके द्वारा चाहे गए केन्द्र पर अटैच की गई आईडी संबंधी दस्तावेज लेकर टीकाकरण करवा सकते हैं ।

धारा 188 की कार्रवाई

माणकचौक पुलिस ने पांच और

10 हजार के करीब पहुंचा पाजिटिव मरीजों का आंकड़ा

रतलाम। जिले में कोरोना की दूसरी लहर जमकर कहर बरपा रही है। हर दिन संक्रमितों की संख्या नए रिकार्ड बना रही है। पिछले पांच दिनों से लगातार 200 से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं। इससे शासन-प्रशासन के साथ आमजन की चिंता बढ़ती जा रही है। संक्रमण की रोकथाम के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद कुछ लोग लापरवाही बरतकर स्वयं के साथ दूसरों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। तेजी से फैल रहे संक्रमण से अब तक कुल मरीजों का आंकड़ा 10 हजार के करीब पहुंच गया है।

कोरोना की शुरुआत से अब तक में अप्रैल 2021 सबसे खतरनाक साबित हो रहा है। चालू माह में हर दिन मरीजों की संख्या रॉकेट की गति के समान बढ़ती जा रही है। सात अप्रैल से हर दिन 100 से अधिक नए संक्रमित सामने आ रहे हैं। छह दिन 200 से अधिक नए संक्रमित सामने आए हैं। शहर के साथ गांव-गांव में कोरोना ने दस्तक दे दी है। अप्रैल के 26 दिनों में जिले में 4180 नए मरीज मिले हैं, वहीं 3245 स्वस्थ होकर घर लौटे हैं। 84 मौतें भी हुई हैं। पेंडिंग सैंपलों की संख्या भी 1000 से ज्यादा बनी हुई है। जिले में लोगों के स्वास्थ्य की जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। सैंपलिंग बढ़ाने के बाद आगामी दिनों में पाजिटिविटी रेट कम होने की संभावना है।

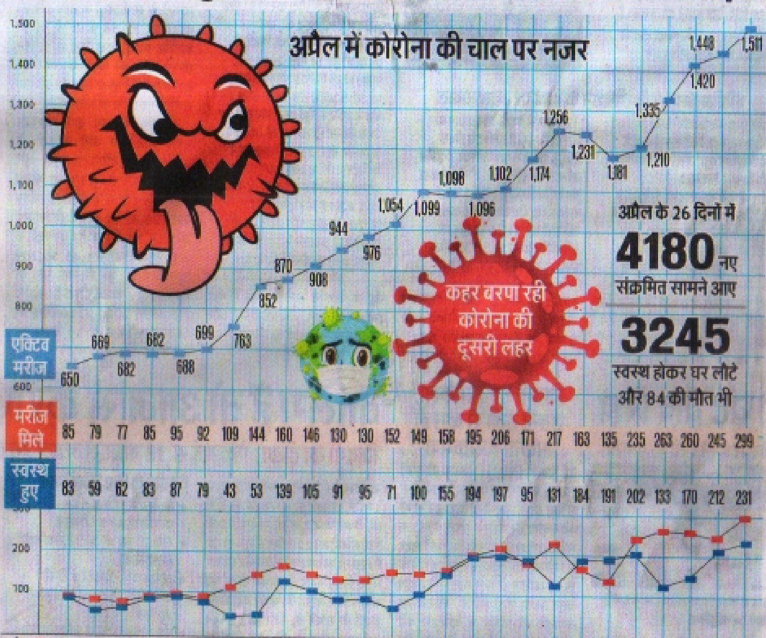

अप्रैल	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
मरीज मिले	85	79	77	85	95	92	109	144	160	146	130	130	152	149	158	195	206	171	217	163	135	235	263	260	245	299
स्वस्थ हुए	83	59	62	83	87	79	43	53	139	105	91	95	71	100	155	194	197	95	131	184	191	202	133	170	212	231
मौत	2	1	2	2	2	2	2	2	3	3	3	3	3	4	4	3	3	4	4	4	4	4	5	5	5	5

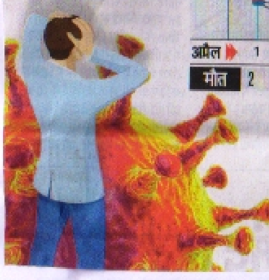

जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें

जिला महामारी नियंत्रक डा. गौरव बोरीवाल ने बताया कि अनदेखी व लापरवाही से कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। कई लोग अभी भी लक्षण दिखने पर अस्पताल आकर इलाज कराने में डर रहे हैं। ऐसे लोग स्वयं के साथ दूसरों की जान भी मुश्किल में डाल रहे हैं। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर काफी घातक है। सावधानी और सतर्कता से ही इससे बचा जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में आत्मविश्वास कम न होने दें। महामारी से बचाव के लिए कोरोना का टीका जरूर लगवाएं। साथ ही हर समय मास्क लगाने के साथ दो गज की दूरी का अनिवार्य रूप से पालन करें। बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। घर में बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। बीमारी के लक्षण दिखने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें। जरा-सी अनदेखी मरीज को गंभीर स्थिति में पहुंचा सकती है।

कोरोना के टीके अवश्य लगवाएं

कोरोना से बचाव के लिए मास्क अवश्य लगाएं। दो गज की दूरी बनाकर रखें। जान है तो जहान है। कोरोना के टीके लगवाएं। अनावश्यक घरों से बाहर नहीं निकलें। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतें। नियमों का पालन करें। **-अपार दसेड़ा, समाजसेवी, कोठी बाजार जावरा**

आवश्यक हो तो ही घर से बाहर निकलें। इंटरनेट मीडिया के भ्रामक व नकारात्मक प्रचार से खुद को बचाएं। इस विकट समय में जरूरतमंदों को आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करें। वैक्सीन जरूर लगवाएं। मास्क व सैनिटाइजर का उपयोग करें। **- राहुल चपड़ोद, सचिव लायंस क्लब जावरा और जेएसजी मप्र रीजन**

नकारात्मक विचारों को त्याग कर सकारात्मक सोच से आगे बढ़ते हुए वैक्सीनेशन को सफल करना होगा। सभी पात्र लोगों को कोरोना का टीका जरूर लगाना चाहिए और दूसरों को भी लगवाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। **- विवेक नागर, ब्लॉक स्रोत केंद्र समन्वयक, जनपद शिक्षा केंद्र जावरा**

कोरोना महामारी को रोकने के लिए सभी को मिलकर लड़ना होगा। शारीरिक दूरी बनाए रखना, मास्क अनिवार्य रूप से पहनना व जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलना चाहिए। भीड़भाड़ वाले इलाकों में बिल्कुल नहीं जाना चाहिए। टीकाकरण भी जरूरी है। **- अमय पोरवाल, छात्र, सोमवारिया जावरा**

मास्क और दूरी तो जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी बाजारों को खोलना भी है, क्योंकि खुले बाजार आमजन और व्यापारियों का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। सीमित छूट देने से आमतौर पर उस समय भीड़ ज्यादा होती है और पूरे खुले बाजार में भीड़ कम होती है। नियमों का पालन करें। **- अंकित ललवानी, समाजसेवी, जावरा**

कोरोना से हर इंसान डरा हुआ है। पूरे परिवार को रोज काढ़ा और भाप देती हूं। जरूरतमंदों को निशुल्क मास्क देकर शासन-प्रशासन की गाइड-लाइन का कड़ाई से पालन करने के लिए प्रेरित भी कर रही हैं। जल्द ही कोरोना हारेगा और देश जीतेगा। **- तृप्ति राजपूत, समाजसेविका, जावरा**

कोरोना महामारी ने पूरे जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। इसलिए घर से बाहर निकलते हैं ही मास्क का उपयोग जरूर करें। स्वयं के साथ-साथ दूसरों का जीवन बचाना भी जरूरी है। व्यापारियों को भी बगैर मास्क पहने ग्राहकों को प्रवेश नहीं देना चाहिए। **- संभव आंचलिया, छात्र, जावरा**

दुश्मन अदृश्य रूप में हो तो छुपना बेहतर विकल्प है। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए शासन के नियमों का पालन अवश्य करें। मास्क लगाएं और भीड़ का हिस्सा ना बनें। शारीरिक दूरी का कड़ाई से पालन करें। संकट की घड़ी में सावधानी जरूरी है। **-कुशाल कुमार मेहता, जावरा**

मेडिकल कॉलेज से 31 लोग डिस्चार्ज, 61 नए भर्ती, 11 पॉजिटिव की मौत, इनमें 5 रतलाम के

बेड कम होने से परेशानी

भास्कर संवाददाता | रतलाम

28-4-21

हमारे जिले में बेड को लेकर लगातार मशक्कत जारी है। मंगलवार को भी शहर के आईसीयू, एचडीयू और ऑक्सीजन के सभी बेड फुल रहे। मेडिकल कॉलेज की स्थिति ऐसी थी कि 31 लोगों को डिस्चार्ज किया लेकिन 61 नए लोग भर्ती भी हुए। इधर, कॉलेज में 11 पॉजिटिव लोगों की मौत हो गई, इनमें 5 रतलाम जिले के थे। वहीं 1 झाबुआ, 3 उज्जैन और 2 धार जिले के थे।

शहर में बेड नहीं होने से लगातार लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। आलम ऐसा है कि कई लोग खुद ही ऑक्सीजन की जुगाड़ कर रहे हैं। बेड और ऑक्सीजन को लेकर मेडिकल कॉलेज की हालत ज्यादा खराब है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि कॉलेज में मंगलवार को 61 नए मरीजों को भर्ती किया गया। हॉस्पिटल में कुल बेड 550 हैं। इनमें आईसीयू के सभी 56, एचडीयू के सभी 172 और ऑक्सीजन के सभी 120 बेड फुल हैं। नॉन ऑक्सीजन बेड 202 हैं, इनमें से 113 बेड पर मरीज इलाज ले रहे हैं। कॉलेज में अभी कुल 461 मरीज भर्ती हैं। इनमें 289 पॉजिटिव हैं।

शहर के 227 लोगों ने कोरोना को हराया

इधर, शहर में मंगलवार को 227 लोगों ने कोरोना को मात दी। मेडिकल कॉलेज से 31 लोग डिस्चार्ज हुए, वहीं होम आइसोलेशन के 172 लोगों को निगेटिव आने के बाद डिस्चार्ज किया गया। डिस्चार्ज होने के बाद सभी ने मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाने के संकल्प को दोहराया।

184 होम आइसोलेट मरीजों को बांटी मेडिसिन किट

मंगलवार को नगर निगम के दलों ने 184 होम आइसोलेट कोरोना पॉजिटिव मरीजों को मेडिसिन किट घर-घर जाकर बांटी। स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह को ई-दक्ष केंद्र से 222 मरीजों की सूची मिली थी। इनमें से 184 मरीजों के घर तक किट पहुंचाई गई। 11 अस्पताल में भर्ती मिले, 7 मरीजों का पते और कांटेक्ट नंबर गलत निकले। इसके अलावा 9 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर के पाए गए, जबकि 10 मरीजों को पहले ही किट मिल चुकी थी।

पत्रिका (05) 28/04/2021

मेडिकल कॉलेज में जरूरत के मुताबिक आधी आ रही ऑक्सीजन, शेष के लिए मशक्कत

जिंदगी की जंग में धड़कनों को बचाने मशक्कत, प्राणवायु की बेतहाशा खपत

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 28/4/21

रतलाम. जिले में लगातार बढ़ते जा रहे कोरोना संक्रमण के बाद अब अस्पताल में भर्ती मरीजों को हर दिन ऑक्सीजन की कमी से जूझना पड़ रहा है। निजी अस्पताल ज्यादा ऑक्सीजन वाले मरीजों को लेने को तैयार नहीं है और मेडिकल कॉलेज में जरूरत की ऑक्सीजन पहुंच रही है जबकि शेष ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए निगम का अमला हर दिन ऑक्सीजन प्लांट से सिलेंडर के माध्यम से पूर्ति करने में जुटा हुआ है।

मेडिकल कॉलेज में वर्तमान में 550 से अधिक मरीज भर्ती हैं। इनमें से लगभग 350 मरीजों को प्रतिदिन ऑक्सीजन लगाई जा रही है जिसमें किसी मरीज को 4 लीटर तो किसी मरीज को 12 से 15 लीटर तक ऑक्सीजन दी जा रही है। प्रतिदिन 10 केएल ऑक्सीजन की आवश्यकता है, जबकि बाहर से टैंकर के माध्यम से 5 से 6 केएल ऑक्सीजन की पूर्ति हो पा रही है। शेष जरूरत को पूरा करने के लिए नगर निगम का अमला स्थानीय ऑक्सीजन प्लांट से सिलेंडर भरकर मेडिकल कॉलेज पहुंचा कर खाली सिलेंडर वापस प्लांट पर पहुंचाने का काम कर रहा है। रात 10.30 बजे 10 केएल ऑक्सीजन का टैंकर मेडिकल कॉलेज पहुंचा, जिसके बाद अगले 24 घंटे के लिए ऑक्सीजन की समस्या दूर हो गई है।

नहीं मिल रहे सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

अस्पताल में स्वास्थ्य बेहतर होने के बाद घर पर उपचार के लिए मरीजों को **ऑक्सीजन सिलेंडर** की जरूरत पड़ रही है जो उन्हें उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। कुछ मरीजों को चिकित्सक ही घर पर रहकर उपचार की सलाह दे रहे हैं लेकिन ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं होने से मजबूरी वश उन्हें भी अस्पतालों में भर्ती होना पड़ रहा है। लोग ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदने के लिए भी बाजार में भटकते नजर आए लेकिन लाख रुपए देने के बाद भी उक्त मशीन उपलब्ध नही हो पा रही है।

हर दिन की मशक्कत

मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों की जान बचाने स्वास्थ्य विभाग के साथ ही नगर निगम और प्रशासन के अमले को हर दिन मशक्कत करनी पड़ रही है। हाल ही में दो बार ऑक्सीजन के टैंकर आने में देरी होने से मरीजों की जान पर संकट बनाया था लेकिन अधिकारियों की सूझबूझ और नगम के अमले के दम पर कई मरीजों की जान बचा ली गई, वरना यहां भी ऑक्सीजन की कमी से मौत के मामले सामने आ जाते।

जिला अस्पताल के हाल-बेहाल

मेडिकल कॉलेज ही नहीं बल्कि जिला अस्पताल और निजी अस्पतालों के हाल भी बेहाल हैं। जिला अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने की शुरुआत करने के बाद यहां भी ऑक्सीजन की खपत दोगुनी हो गई है। पहले यहां पर 80 से 100 सिलेंडर ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती थी लेकिन अब मांग दोगुनी हो गई है। इसके अतिरिक्त निजी अस्पतालों में भी डिमांड पहले के मुकाबले दोगुनी होने से स्थिति अनियंत्रित होती जा रही है। निजी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी होने पर मरीजों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जाता है।

कुछ दिन और है चुनौती

मेडिकल कॉलेज के साथ ही जिला अस्पताल और निजी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी फिलहाल दूर होती नजर नहीं आ रही है। शहर विधायक चैतन्य काश्यप के द्वारा वर्तमान स्थिति को देखते हुए ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए 1.02 करोड़ के प्लांट लगाने की मंजूरी मिलने के बाद अब हर किसी को इसके जल्द तैयार होने का इंतजार है। इस प्लांट के शुरू होने से स्थानीय प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग को काफी राहत मिलेगी।

इनका कहना

ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जितने संस्था के पास थे जरूरतमंदों को उपलब्ध करा दिए हैं। जितनी उपलब्धता करा सकते थे उतनी लोगों को कराई है लेकिन अब जब और लोगों के फोन आते हैं तो व्यवस्था नहीं होने पर काफी निराशा भी होती है कि चाह कर भी किसी की मदद नही कर पा रहे हैं और लोगों को ऑक्सीजन के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। - **दीपक कटारिया,** मैत्री फाउंडेशन

सिर्फ मेडिकल कॉलेज में ही प्रतिदिन 10 केएल आक्सीजन की जरूरत है जिसके मुताबिक महज 5-6 केएल ऑक्सीजन ही टैंकर के माध्यम से मिल पा रही है, शेष ऑक्सीजन की पूर्ति सिलेंडरों के माध्यम से की जा रही है। टैंकर कभी-कभी लेट होने से दिक्कत खड़ी हो जाती है। हर दिन टैंकर के लिए मशक्कत करना पड़ रही है।

डॉ जितेंद्र गुप्ता, डीन, मेडिकल कॉलेज रतलाम

नईदुनिया (08) 28/04/2021

कोरोना से जंग | **जिले में प्रारंभिक टीकाकरण के लिए कुल 4 स्थान निर्धारित, समाजसेवियों ने कहा- डरें नहीं, आगे आएं**

आनलाइन प्री बुकिंग से ही लगेगा 18 से 45 वर्ष आयु वालों को टीका

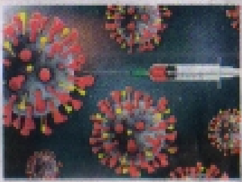

रतलाम। एक मई से 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को कोरोना टीकाकरण किया जाएगा। इसके लिए आनलाइन प्री बुकिंग कराना अनिवार्य रहेगा। इस वर्ग के लोगों को टीका आनस्पाट बुकिंग के आधार पर नहीं लगाया जा सकेगा। जिले में प्रारंभिक टीकाकरण के लिए कुल 4 स्थान निर्धारित रहेंगे। जिसमें रतलाम शहर में दो स्थानों पर तथा आलोट और जावरा में टीकाकरण किया जाएगा। एक दिन में 380 टीके लगेंगे।

एक मई के बाद टीकाकरण के अंतर्गत एक ही स्थान पर दो सेशन साइट बनाई जाएगी। जिसमें एक साइट पर 18 से 45 वर्ष व दूसरी साइट पर 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका लगाया जाएगा। 45 वर्ष से अधिक आयु के लोग आन स्पाट बुकिंग कराकर भी टीका लगा सकेंगे। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लिए आनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 28 अप्रैल से प्रारंभ हो जाएगी।

शासकीय अस्पताल में कोरोना का टीका लगवाते हुए हितग्राही। • नईदुनिया

इस तरह करा सकेंगे आनलाइन प्री बुकिंग

जिला टीकाकरण अधिकारी डा. वर्षा कुरील ने बताया कि कोविन 2.0 पोर्टल पर लिंक https&//selfregistration.cowin.gov.in/ पर क्लिक करके बुकिंग करवा सकते हैं। इस लिंक पर हितग्राही को अपना मोबाइल नंबर लिखना होगा। नंबर लिखने के बाद गेट ओटीपी पर क्लिक करने से एक ओटीपी आएगा जिसे मोबाइल पर दर्ज करना होगा। इसके बाद नाम, उम्र, लिंग आदि की जानकारी अटैच किए गए आइडी के आधार पर दर्ज करना होगा। केंद्र का नाम, तारीख आदि की जानकारी अपनी सुविधा अनुसार दर्ज कर संबंधित तारीख को आइडी संबंधी दस्तावेज लेकर टीकाकरण करवा सकते हैं। टीकाकरण के बाद भी मास्क लगाएं, दो गज की दूरी का पालन करें, अपने हाथों को निमियमित रूप से धोएं, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें।

आज 24 स्थानों पर होगा टीकाकरण

बुधवार को शहर के बाल चिकित्सालय में निशुल्क टीकाकरण किया जाएगा जबकि पुराना कलेक्टोरेट में को वैक्सीन का दूसरा टीका फ्रंटलाइन वर्कर को लगाया जाएगा। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैलाना, पिपलौदा, बाजना, ताल, खारवाकला, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धराड़, सिविल हास्पिटल जावरा व आलोट पीएचसी रिंगनोद, ढोढर, उप स्वास्थ्य केंद्र कलालिया, उप स्वास्थ्य केंद्र निपानिया लीला, रिछा बरखेड़ा खुर्द, करवाखेड़ी, और गुराड़िया में कोविड के टीके लगाए जाएंगे। मंगलवार को कुल 505 लोगों को टीका लगाया गया।

पत्रिका (२) २८/०४/२०२१

फायर लॉरी से किया सैनेटाइज्ड

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिदिन किया जा रहा है सैनेटाइजेशन

रतलाम. शहर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने के लिए नगर निगम द्वारा सैनिटाईजेशनका काम जारी है। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज सहित कई क्षेत्र में छिड़काव किया गया है। नगर निगम के अनुसार कलेक्टर व प्रशासक गोपालचंद्र डाड व आयुक्त सोमनाथ झारिया प्रतिदिन निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से हो रहे सैनेटराईज कार्य की समीक्षा कर रहे है।

नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व ट्रेक्टर ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटराईज किया जा रहा है। मंगलवार को फायर लॉरी से मेडिकल कॉलेज, पीएण्डटी कालोनी, लक्ष्मणपुरा, गांधी नगर, लक्ष्मणपुरा मुख्य मार्ग, सैलाना यार्ड सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। सफाई उपरान्त सफाई स्थल व नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है। पत्रिका

प्रदेश के एक लाख दो हजार 897 कोरोना मरीजों तक पहुंची किट

भोपाल, (प्रस)। मध्यप्रदेश में होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को एक लाख दो हजार 897 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं।

प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया है कि प्रदेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण जारी है। 18 अप्रैल से 26 अप्रैल के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फीवर क्लीनिक और होम डिलीवरी के माध्यम से एक लाख 2 हजार 897 मेडिकल किट कोविड मरीजों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497 और 26 अप्रैल को 9 हजार 360 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई है।

मरीजों को मेडिसिन वितरण जारी

रतलाम. होम आईसोलेशन के मरीजो को मेडिसिन किट की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा दलो द्वारा मरीजो के घर जाकर मंगलवार को 184 मरीजों को मेडिकल किट प्रदान की गई। होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 222 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। सूची अनुसार 184 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण घर घर किया गया। 11 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 7 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत पाये गये तथा 9 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया व 10 मरीजो को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया। पत्रिका २८-०४-२१

2 नईदुनिया इंदौर, बुधवार 28 अप्रैल, 2021

न्यूज गैलरी

होम आइसोलेट 184 मरीजों को बांटी मेडिसिन किट

रतलाम। कोरोना संक्रमित होम आइसोलेशन वाले मरीजों को घर पर ही मेडिसिन किट दी जा रही है। ई-दक्ष केंद्र से मंगलवार को मरीजों की सूची लेकर निगम स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने 222 मेडिसिन किट जिला अस्पताल से प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। यहां से वार्ड वार गठित दलों द्वारा 184 मरीजों को मेडिकल किट का वितरण घर जाकर किया गया। 11 मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती, सात मरीजों के मोबाइल नंबर व पते गलत पाए गए तथा नौ मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाए गए व 10 मरीजों को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना बताया गया।

पत्रिका (01) 28/04/2021

बिजली के शॉर्ट सर्किट को बता रहे आग लगने का कारण

निगम के रेकॉर्ड रूम में आग से सब कुछ खाक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. नगर निगम के लोकनिर्माण विभाग के रिकॉर्ड रूम में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे आग लग गई। आग लगने से सबकुछ जलकर स्वाहा हो गया। आग पर काबू दो घंटे की मशक्कत के बाद 5 दमकल की सहायता से पाया गया। निगम अधिकारी आग लगने का प्रारंभिक कारण बिजली के शॉर्टसर्किट को बता रहे हैं। आग लगने के कारण की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

दोपहर करीब 2 बजे नगर निगम में लंच समय चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उसी समय लोकनिर्माण विभाग के सिटी इंजीनियर जीके जायसवाल के कक्ष के करीब बने हुए रिकॉर्ड कक्ष में जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। इसके बाद कमरे में से आग की लपटे व धुआं निकलता नजर आने लगा। शुरू में निगम में उपलब्ध पानी से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। इसी दौरान निगम की दमकल को भी सूचना दी गई। दमकल ने आकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया व दस मिनट में लपटों पर काबू पा लिया, लेकिन धुआं काफी देर तक निकलता रहा। रिकॉर्ड रूम में अंदर ही अंदर दस्तावेज जल रहे थे जिनमे से धुआं निकल रहा था। इसके बाद करीब 5 दमकल की सहायता आग पर काबू पाने में ली गई। आग लगने की सूचना मिलने के करीब 20 मिनट में नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया, उपायुक्त विकास सौलंकी, सिटी इंजीनियर जायसवाल पहुंच गए। आग व धुआ देखने के लिए काफी संख्या में नगर निगम कर्मचारी व सड़क से गुजर रहे लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई।

बिजली की लाइन काफी पूर्व की हो गई है। इससे संभावित रुप से आग लगी है। आग से पूर्व का रिकार्ड जलकर नष्ट हुआ है। इसको जरुरत अनुसार फिर से तैयार करवाया जाएगा। - **सोमनाथ झारिया,** आयुक्त नगर निगम